RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 06 मई 2023 वर्ष 05 अंक 20 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शरद पवार ड्रामाई इस्तीफे के बाद पलटे

4 दिनों के भीतर फिर संभाली NCP की कमान

शरद पवार ने एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा वापस लिया. उन्होंने शुक्रवार (5 मई) को प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा करते हुए कहा, ह्लमैं आपकी भावनाओं का अपमान नहीं कर सकता. मैं भावुक हो गया हूं और अपना फैसला वापस ले रहा हूं.ह्व एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि 2 मई को मैंने एनसीपी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया था. ऐसा लगा था कि मेरी कई सालों की सेवा के बाद मुझे रिटायर होना है.

पवार ने कहा कि इसके बाद एनसीपी के कई कार्यकताओं और पदाधिकारियों को दुख हुआ. इस निर्णय पर दोबारा से विचार करूं इसलिए मेरे हितचिंतक और कार्यकताओं व चाहने वालों ने आग्रह किया. इसी के साथ कार्यकताओं ने मुझे कहा कि मैं अध्यक्ष पद फिर से वापस लूं. मेरी तरफ से लोगों की भावनाओं का अनादर नहीं हो सकता.

इस्तीफे के बाद एनसीपी में मची थी खलबली

गौरतलब है कि शरद पवार ने बीती 2 मई को एनसीपी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर सभी को चौंका दिया था. पवार ने पार्टी का नया अध्यक्ष चुनने के लिए एक समिति का गठन किया था. जिसमें उनके भतीजे अजित पवार, बेटी सुप्रिया सुले, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल और छगन भुजबल शामिल थे. उनके इस एलान के बाद एनसीपी कार्यकताओं ने जोरदार विरोध किया था. साथ ही कई पदाधिकारियों ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था. कार्यकताओं के विरोध को देखते हुए पवार ने अपने फैसले पर विचार करने के लिए दो-चार दिन का समय मांगा था.

एनसीपी कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

शरद पवार ने आगे कहा कि इन सबसे मैं भावुक हो गया हूं, सबके आह्वान और एनसीपी के वरिष्ठ नेताओं के कहने के बाद और सबकी भावनाओं पर विचार कर मैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटने का अपना फैसला वापस लेता हूं. मैं फिर से अध्यक्ष पद स्वीकार रहा हूं. शरद पवार के अध्यक्ष पद वापस लेने की घोषणा के बाद एनसीपी कार्यकताओं ने मुंबई में वाईबी चव्हाण केंद्र के बाहर जोरदार जश्न मनाया.

उत्तराधिकारी और रिटायरमेंट पर क्या बोले?

उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए कई लोगों ने मुझे विनती की जिसमें कई राष्ट्रीय पक्ष के नेताओं का भी समावेश है. उत्तराधिकारी के सवाल पर शरद पवार ने कहा कि यहां जो बैठे हैं वो सभी देश को संभाल सकते हैं. उन्हें मौका मिलने की देरी है. रिटायरमेंट पर शरद पवार ने कहा कि मुझे पूरा अंदेशा था कि अगर मैं इन सबसे चर्चा करूंगा तो ये लोग मुझे ऐसा करने नहीं देंगे. जिस वजह से मुझे इस तरह से अपना फैसला सुनाना पड़ा था.

पवार का इस्तीफा था स्क्रिप्टेड - देवेंद्र फडणवीस

फिल्म के कलाकार भी थे अंदरूनी...

मुंबई : राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कार्यकताओं की मांग पर अध्यक्ष पद से भले ही अपना इस्तीफा वापस ले लिया है.लेकिन उनके इस्तीफे पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जोरदार तंज कसा है.शुक्रवार को कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए फडणवीस ने कहा कि राकांपा का यह अंदुरनी फिल्म है. उस फिल्म के कलाकार भी अंदुरनी है.उन्होंने कहा कि पवार का इस्तीफा पूरा स्क्रिप्टेड था.राकांपा का यह अंदरूनी फिल्म है जिसमें कलाकार भी अंदरूनी है.फडणवीस ने कहा कि वैसे तो राकांपा का यह अंतर्गत मामला है लेकिन पूरा स्क्रिप्टेड था.

शरद पवार एक मजबूत नेता –संजय राउत

संजय राउत ने कहा कि शरद पवार एक मजबूत और बड़े नेता है.पवार के इस्तीफा दिलाकर पार्टी को कमजोर करने की कोशिश की गई.जिस प्रकार शिवसेना को तोड़कर उध्दव ठाकरे को की गई है. राउत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को दबाने के लिए जांच एजेंसी का इस्तेमाल किया जा रहा है.इस संबंध में शरद पवार ने खुद गृहमंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा है.राउत ने कहा कि उनकी पार्टी के कुछ नेताओं पर दबाव बनाया जा रहा है। लेकिन शरद पवार में पार्टी बनाने की ताकत है. राउत ने कहा कि छगन भुजबल और नारायण राणे ने शिवसेना छोड़ दी, लेकिन पार्टी फिर उठ खड़ी हुई है.

मारपीट के दौरान मौत के मामले में दोषी को पांच साल कैद

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने मारपीट के दौरान एक व्यक्ति की मौत के मामले में, 42 वर्षीय एक आरोपी को 'गैर इरादतन हत्या' का दोषी ठहराते हुए पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। सत्र न्यायाधीश अभय जे मंत्री ने 28 अप्रैल के अपने आदेश में कोपरखैरने के रहने वाले आरोपी सुरेश सोमला चव्हाण को 'गैर इरादतन हत्या' का दोषी ठहराया और उस पर 2,500 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। आदेश की प्रति शुक्रवार को उपलब्ध करवाई गयी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़ित वीरेंद्र उर्फ राजू होदीदास ब्रम्हभट्ट के एक 'विधवा' के साथ संबंध थे जो चव्हाण की करीबी रिश्तेदार थी। 14 नवंबर, 2018 की रात, शराब पीने के दौरान चव्हाण और ब्रम्हभट्ट के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद ब्रम्हभट्ट की मौत हो गई। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि अदालत के सामने पेश किए गए सबूत से यह स्पष्ट नहीं होता है कि चव्हाण का ब्रम्हभट्ट को मारने का कोई इरादा था।

अदालत ने कहा, 'रिकॉर्ड में मौजूद साक्ष्यों से पता चलता है कि आरोपी ने गुस्से में ब्रम्हभट्ट की छाती पर लात और घूंसे मारे जिससे उसकी मौत हो गई।'' अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष, आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत लगाए गए आरोप को साबित करने में विफल रहा है जिसके बाद, चव्हाण को गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

जेल में जुर्म

यह विडंबना ही है कि देश की सबसे सुरक्षित माने वाली तिहाड़ जेल में अपराधी सुनियोजित ढंग से हत्याएं करने में सफल हो जाएं। जब राष्ट्रीय राजधानी में स्थित जेल में कड़ी सुरक्षा के बीच ऐसी वारदातों को अंजाम दिया जा सके तो सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में जेलों में सुरक्षा का क्या आलम होगा। पिछले मंगलवार को तिहाड़ जेल के अति सुरक्षित वार्ड में बंद कुख्यात अपराधी की दूसरे अपराधी गिरोह ने हत्या कर दी। हालांकि, मृतक भी गंभीर अपराधों में वांछित था, लेकिन फिर भी जेलकर्मियों की सुरक्षा में उसकी हत्या जेलतंत्र की विफलता का ही परिचायक है। निस्संदेह, घटनाक्रम जेल व्यवस्था के छिद्रों की बानगी ही दशार्ता है। उल्लेखनीय है कि बीस दिन पूर्व भी तिहाड़ जेल में एक अन्य गैंगस्टर की निर्मम हत्या कर दी गई थी। निस्संदेह, कुख्यात अपराधियों की जान को जेल के भीतर बड़ा खतरा होता है तो इस खतरे का आकलन जेल प्रशासन पहले क्यों नहीं कर पाता? बड़े अपराधियों के वार्ड में कड़ी चौकसी और सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद जेल सुरक्षा में लगे कर्मचारियों को आखिर इसकी भनक क्यों नहीं लगी? ऐसा भी नहीं है कि जिस ढंग से हत्या को अंजाम दिया गया, वो तुरत-फुरत संभव हो गई हो? आखिर जेल अधिकारियों का खुफिया तंत्र क्या कर रहा था जब जेल के भीतर हत्या का षड्यंत्र रचा जा रहा था और हत्या को अंजाम दिया जा रहा था? विगत में भी कई दुर्दांत अपराधियों के जेल के भीतर से ही बड़े अपराधों को अंजाम देने के मामले प्रकाश में आये हैं। सवाल ये भी है कि कड़ी सुरक्षा वाली जेलों के भीतर मोबाइल, घातक सामान व नशीले पदार्थ कैसे बरामद होते रहे हैं? कहा जा सकता है कि बिना कर्मचारियों की मिलीभगत या सुरक्षा चूक के ऐसा संभव नहीं।

निस्संदेह, कैदियों को सुधारने के लिये बनी जेलों के भीतर भी जुर्म हो जाये तो समाज में नागरिकों की सुरक्षा को राम भरोसे ही कहा जा सकता है। ऐसा लगता है कि कुख्यात अपराधियों के आगे जेल प्रशासन बेदम है। यही वजह है कि जेल के भीतर भी अपराधी जंगलराज चला रहे हैं। कम से कम मंगलवार को जिस ढंग से दुर्दांत अपराधी टिल्लू ताजपुरिया की हत्या हुई वह जेल के भीतर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाती है। यह जेलतंत्र के लिये भी शर्म की बात है कि कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिन अपराधियों को जेल के भीतर कड़ी सुरक्षा में रखा जाता है, वे पुलिस अभिरक्षा में गैंगवार के शिकार हो जाते हैं। जाहिर है देश की जेल व्यवस्था में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं हैं, जिसमें आमूल-चूल परिवर्तन की जरूरत है। यदि जेल के भीतर से ही अपराधी अपना काला साम्राज्य चलाने लग जायें तो भयमुक्त समाज का लक्ष्य पाना असंभव हो जाएगा। असल में, यदि देश में जरूरत से ज्यादा ठूंस-ठूंस कर भरे कैदियों की संख्या को नियंत्रित नहीं किया जाता तो जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाये रखना असंभव हो जायेगा। बार-बार विचाराधीन कैदियों को राहत देने का मुद्दा उठता रहता है ताकि जेलों में कैदियों का दबाव कम किया जाये। लेकिन राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में कोई योजना सिरे नहीं चढ़ पा रही है। सरकार व सर्वोच्च न्यायालय को मिलकर इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए। साथ ही जेल सुधार के उपायों के क्रियान्वयन पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। दरअसल, जिस गति से अपराधियों के अपराध के तौर-तरीके हाईटेक होते जा रहे हैं, उसके मद्देनजर जेलतंत्र में आमूल-चूल परिवर्तन करने की जरूरत है। निस्संदेह, तिहाड़ जेल की हालिया घटनाओं से आम आदमी भी भयभीत होगा कि जब एक हाईटेक जेल के भीतर अपराधी अपने शिकार पर आसानी से निशाना साध लेते हैं तो समाज में कैसे आराम से अपराधों को अंजाम दे सकते हैं। देश की अपराध नियंत्रण व्यवस्था की खमियों को समय रहते दूर करना होगा, ताकि अपराधी गिरोहों को खेलने का मौका न मिल सके। यही तभी संभव होगा जब जेल प्रशासन,राज्य सरकार व गृहमंत्रालय सुरक्षा के उपायों को कारगर रणनीति बनाकर क्रियान्वित करें।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मेट्रो-6 के कारशेड पर फिर विवाद, सर्वे का काम रुका

राज्य सरकार की ओर से कांजुरमार्ग में दी गई थी जमीन

मुंबईः लंबे विवाद के बाद मेट्रो-6 कॉरिडोर को मिली कारशेड की जमीन एक बार फिर विवादों में आ गई है। कांजुरमार्ग में कारशेड के लिए मिली करीब 15 हेक्टेयर जमीन पर सॉल्ट पैन विभाग के अधिकारी ने सर्वे का काम रोक दिया है। सर्वे का काम रुकने से एक बार फिर करीब 66 फीसदी तैयार हो चुके मेट्रो कॉरिडोर के कारशेड का काम शुरू होने से पहले ही ठप हो गया है। सॉल्ट पैन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, उनके विभाग की जमीन पर कोई कैसे सर्वे कर सकता है, इसलिए उनकी ओर से दूसरे विभाग द्वारा किए जा रहे सर्वे का रोक दिया गए है। बता दें कि सॉल्ट पैन विभाग केंद्र सरकार के अधीन आता है, वहीं कांजुरमार्ग में सर्वे का काम राज्य सरकार के अधीन आने वाले मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण

(एमएमआरडीए) की ओर से हो रहा था। स्वामी समर्थ नगर से विक्रोली के बीच बने रहे मेट्रो- 6 कॉरिडोर के कारशेड निर्माण के लिए कुछ दिन पहले ही राज्य सरकार की ओर से एमएमआरडीए को कांजुरमार्ग में जमीन दी गई थी।

जमीन बड़ी समस्या

मेट्रो-4 कॉरिडोर 50 फीसदी तैयार है। वहीं, मेट्रो-5 के पहले चरण का काम 70 फीसदी और मेट्रो-6 का 66 फीसदी काम हो चुका है, लेकिन तीनों कॉरिडोर में से किसी भी कॉरिडोर को अब तक कारशेड की जमीन नहीं मिल पाई है। ऐसे में निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी मुंबई को अगली मेट्रो कब मिलेगी, इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

विवाद का पुराना इतिहास

देवेंद्र फडणवीस जब मुख्यमंत्री थे, तब वह कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच बन रहे मेट्रो-3 कॉरिडोर का कारशेड आरे में बनवाना चाहते थे। इसके लिए फडणवीस ने एक रात में आरे में सैकड़ों पेड़ों को कटवा दिया था। सत्ता की बागडोर उद्धव ठाकरे के हाथ में आने के बाद उद्धव ने आरे में किसी भी प्रकार के निर्माण पर रोक लगाते हुए आरे को जंगल क्षेत्र घोषित कर दिया था। आरे के बजाए मेट्रो-3 कॉरिडोर का कारशेड कांजुरमार्ग में बनाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए कांजुरमार्ग में करीब 102 एकड़ जमीन का चयन किया गया था। ठाकरे सरकार कांजुरमार्ग में सिर्फ मेट्रो 3 का ही नहीं, बल्कि मेट्रो 4 और मेट्रो 6 का भी कारशेड तैयार करने की योजना पर काम कर रही थी, लेकिन कांजुरमार्ग की इस जगह का मालिकाना हक को लेकर केंद्र व राज्य सरकार के विवाद के चलते कारशेड का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। वहीं राज्य में शिंदे-फडणवीस की सरकार आने पर उन्होंने सबसे पहले ठाकरे के फैसले को पलटते हुए, आरे में मेट्रो-3 के कारशेड का कारशेड का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया था। वहीं मेट्रो-6 के कारशेड के लिए कोई दूसरा विकल्प नहीं होने की वजह से कुछ दिन पहले ही कांजुरमार्ग में केवल एक कॉरिडोर का कारशेड बनाने का फैसला हुआ था।

शनिवार, रविवार को भी हो सकेगी रजिस्ट्री

आम जनता को मिलेगी बड़ी सुविधा- पाटिल

मुंबई : आम जनता की सुविधा के लिए जिला मुख्यालय और महानगरपालिका क्षेत्रों में उप पंजीयक कार्यालय शनिवार और रविवार को छुट्टी के दिन भी खुले रहेंगे। इससे नागरिकों को अपने दस्तावेज पंजीकृत कराने में कोई परेशानी नहीं होगी और आगे से नॉन स्टॉप पंजीयन होगा। इस बात की जानकारी राज्य के राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने दी। उन्होंने कहा कि खरीदी-बिक्री के लेन-देन में वृद्धि के कारण नागरिकों को अपने कार्य घंटों के दौरान रजिस्ट्रेशन ऑफ डीड करना संभव नहीं होता था। साथ ही सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में नागरिकों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए आम लोग छुट्टी के दिन भी रजिस्ट्री करा सकें, इस दृष्टिकोण से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मुंबई डिवीजन (मुंबई शहर, उपनगर), कोकण डिवीजन (ठाणे शहर, ठाणे ग्रामीण, पालघर, रायगड- अलीबाग), पुणे डिवीजन (सतारा, सांगली, सोलापुर, कोल्हापुर), अमरावती डिवीजन (अकोला, अमरावती), नागपुर डिवीजन (नागपुर), लातूर डिवीजन के जिला मुख्यालय (लातूर, नांदेड़), नाशिक डिवीजन (नाशिक, जलगांव), औरंगाबाद डिवीजन के जिला मुख्यालय (औरंगाबाद) और महापालिका के क्षेत्रीय उप-पंजीयक कार्यालय शनिवार और रविवार को भी खुले रहेंगे। राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने नागरिकों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है। विखे पाटिल ने कहा कि राजस्व विभाग को अधिक जनाभिमुख बनाने के लिए कई नीतिगत निर्णय लिए गए हैं। सलोखा योजना, मात्र 600 रुपए में बालू उपलब्ध कराने वाली नई बालू नीति, भूमि मापन आदि ने राजस्व विभाग की सेवाओं को जनता के लिए अधिक सुगम बना दिया है।

आमजनों के लिए हवाई यात्रा अधिक महंगी

मुंबई : गो फर्स्ट की उड़ान अचानक रद्द हो जाने से यात्रियों खासकर यूपी-बिहार जानेवालों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, अप्रैल और मई महीने में स्कूलों की छुट्टियों के साथ ही शादी-विवाह का मौसम होता है। चूंकि यूपी-बिहार की बड़ी आबादी मुंबई में रहती है। लिहाजा, ऐसे में मुंबई से यूपी और बिहार जानेवालों की संख्या बहुत अधिक होती है। ट्रेनों में अपने गांव जानेवालों की भारी भीड़ देखी जा सकती है। कई बार यात्रियों को ट्रेन का टिकट तक मिलना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यात्री फ्लाइट्स की एडवांस टिकट बुकिंग कर यात्रा करना अधिक फायदेमंद समझते हैं। लेकिन अब अचानक देश की चौथी सबसे बड़ी एयरलाइन गो-फर्स्ट जो लगभग अपने आठ प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दिवालिया हो गई है, का भरपूर असर उत्तर भारतीयों की जेब पर पड़नेवाला है और यूपीवालों के लिए ये बहुत बड़ी मुसीबत बन गया है।

गो-फर्स्ट के दिवालिएपन की घोषणा के साथ यह स्पष्ट संकेत है कि आमजनों के लिए हवाई यात्रा अधिक महंगी हो जाएगी क्योंकि इस कंपनी

के यात्री दूसरी कंपनियों की ओर रुख करेंगे। इसके अलावा गो-फर्स्ट के द्वारा उत्तर भारत के लिए अच्छी संख्या में फ्लाइट का संचालन किया जा रहा था। अधिकांश मध्यमवर्गीय रेलवे के टिकट के बुरे हाल से परेशान होकर फ्लाइट की एडवांस टिकट बुकिंग कर अपनी यात्रा की आस लगाए बैठे थे। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह स्थिति कम-से-कम एक साल तक बनी रहेगी।

गो-फर्स्ट और स्पाइसजेट दोनों के पास जमीन पर करीब ६० हवाई जहाज हैं। इसके अलावा देश में एयरपोर्ट्स ने पार्किंग चार्ज और ग्राउंड हैंडलिंग चार्ज में ३० फीसदी की बढ़ोतरी की है। इसका सीधा असर एयरलाइंस की लागत पर पड़ेगा। इसके परिणामस्वरूप एयरलाइनों ने इस लागत को वसूलने के लिए विभिन्न मार्गों पर अपने किराए में न्यूनतम २२ प्रतिशत से अधिकतम ४४ प्रतिशत की वृद्धि की है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 06 मई 2023

कोंकण के बाद अब म्हाडा मुंबई बोर्ड की लॉटरी निकालेगी,

मई के अंत तक हो सकती है 3,500 घरों की घोषणा

मुंबई: मुंबई में खुद के घर का सपना देखने वालों का ख्वाब जल्द पूरा होने वाला है। इसके लिए महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) ने कमर कस ली है। म्हाडा प्रशासन द्वारा मई के अंत तक करीब 3,500 घरों के लिए विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा। जुलाई या अगस्त में घरों की लॉटरी जारी की जा सकती है। म्हाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मुंबई के कई प्रॉजेक्ट्स में म्हाडा के घर हैं। प्रशासन द्वारा तैयार घरों की सूची तैयार की जा रही है। सभी इंजिनियर से उनके परिसर में तैयार घरों की जानकारी जुटाई जा रही है। एक सप्ताह में यह काम पूरा कर लिया जाएगा। गोरेगांव के दो प्रॉजेक्ट में करीब 2600 घर पहले ही तैयार हो चुके हैं। म्हाडा के प्रॉजेक्ट्स से जुड़ी अन्य साइट से जानकारी आने पर लॉटरी में शामिल होने वाले घरों की संख्या और बढ़ सकती है। आगामी 15 से 20 दिन लॉटरी के लिए विज्ञापन जारी कर दिए जाएंगे।

प्राइवेट बिल्डर को टक्कर

म्हाडा ने प्राइवेट बिल्डर के प्रॉजेक्ट्स को टक्कर देने वाले घरों का निर्माण गोरेगांव में किया है। पहली बार म्हाडा की बिल्डिंगों में जिम और स्विमिंग पुल समेत अन्य सुविधा की व्यवस्था की गई है। गोरेगांव के लिंक रोड और एस.वी.रोड के पास के समीप म्हाडा ने दो प्रॉजेक्ट तैयार हो चुके हैं। लिंक रोड पर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित प्लॉट ए के प्रॉजेक्ट्स में इकॉनमी वीकर सेक्शन (ईडब्ल्यूएस) की 23 मंजिला सात बिल्डिंगें हैं। इसमें 322 वर्ग फीट के 1239 घर हैं। वहीं, एस.वी.रोड के पास स्थित प्लॉट बी पर 4-4 बिल्डिंगें ईडब्ल्यूएस और एलआईजी (लोअर इनकम ग्रुप) की हैं। इनके क्रमशः 708 और 736 घर लॉटरी में होंगे।

कीमतें फिलहाल तय नहीं

म्हाडा ने अभी तक मुंबई में तैयार घरों की कीमत की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। लेकिन जानकारी के मुताबिक, ईडब्ल्यूएस के घरों की कीमतें करीब 35 लाख रुपये और एलआईजी के घरों की कीमतें 45 लाख रुपये के करीब हो सकती है।

नहीं करना पड़ेगा इंतजार

2019 में मुंबई में अंतिम बार म्हाडा की लॉटरी जारी हुई थी। पिछले चार साल से लोग लॉटरी का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन इस बार म्हाडा द्वारा लॉटरी प्रक्रिया में बदलाव करने की वजह से लोगों का घरों का इंतजार लंबा हो गया है। नए नियम के अनुसार, जिन इमारतों को ओसी और सीसी प्राप्त हो चुकी है। केवल ऐसी ही इमारतों को लॉटरी में शामिल करने का निर्णय सरकार ने लिया है। बता दें कि पहले लॉटरी विजेताओं को घर की चाबी पाने में करीब दो से तीन साल या उससे भी अधिक का समय लग जाता था। इसलिए सरकार ने सभी नियमों को पूरा करने वाले घरों की ही लॉटरी का हिस्सा बनाने का फैसला लिया है।

सहमति से हुए सेक्स में नाबालिगों को दंडित करने के लिए नहीं है पॉक्सो कानून...

बॉम्बे हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

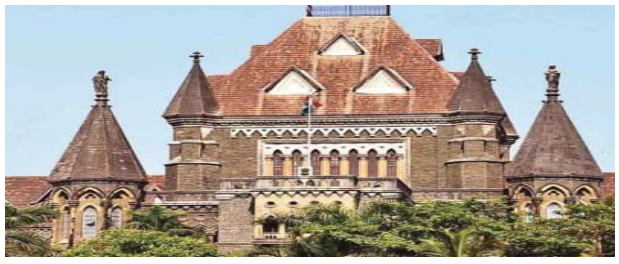

मुंबई: पॉक्सो कानून रोमांटिक व सहमति से बने रिश्ते में शामिल नाबालिगों को दंडित व अपराधी करार देने के लिए नहीं बनाया गया है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोप में दो साल से जेल में बंद एक आरोपी युवक को जमानत देते हुए यह बात कही है। जस्टिस अनुजा प्रभुदेसाई ने कहा कि आरोपी युवक फरवरी, 2021 से जेल में बंद है, ऐसे में यदि आरोपी को जेल में खूंखार अपराधियों के साथ रखा जाता है, तो यह उसके लिए हानिकारक होगा। निकट भविष्य में मुकदमे की शुरूआत होने की संभावना भी नहीं दिख रही है। इसलिए आरोपी को जमानत दी जाती है। जस्टिस ने मामले से जुड़ी पीड़िता के बयान पर गौर करने के बाद पाया कि आरोपी व पीड़िता के बीच सहमति से रिश्ते बने थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि पॉक्सो कानून नाबालिगों को यौन हमलों व उत्पीड़न से बचाने के लिए लाया गया है। इस कानून में कड़े प्रावधान किए गए हैं। लेकिन यह नहीं कहा जा सकता है कि पॉक्सो कानून रोमांटिक व सहमति से बने संबंधों में शामिल नाबालिगों को दंडित करने के लिए है।

बता दें कि पीड़िता की मां ने आरोपी के खिलाफ दिंडोशी पुलिस स्टेशन में शिकायत की थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 363,376 व पॉक्सो कनून की धारा 4 के तहत एफआईआर दर्ज की थी। घटना के समय आरोपी की उम्र 22 साल थी और पीड़िता की उम्र 18 साल से कम थी। कुछ दिनों बाद आरोपी ने जनवरी, 2021 को फिर पीड़िता को बुलाया। तब भी आरोपी ने पीड़िता के साथ सहमति से संबंध बनाए थे। वर्तमान में मामले को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दिंडोशी कोर्ट में आरोप पत्र दायर किया है। इसे देखते हुए कोर्ट ने आरोपी को 30 हजार रुपये के मुचलके पर सशर्त जमानत दे दी।

समुद्र के नीचे यातायात सुरंग,

मुंबई का दूसरा आइकॉनिक पॉइंट कोस्टल रोड की टनल

मुंबई : विदेशों में पानी के नीचे से यातायात के लिए (अंडरवाटर) सुरंग बनाना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन भारत में यह एक रोचक रहा है। समुद्र या फिर नदी के नीचे से सुरंग बनाने का सिलसिला अब भारत में भी शुरू हो चुका है। कोलकाता के हुगली में पिछले महीने देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो ट्रेन चलाई गई। हुगली नदी के नीचे से पार होकर चली इस मेट्रो ने भारत के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। हालांकि, ऐसी ही सुरंग मुंबई में भी बनाई जा रही है, जिसकी खुदाई का काम इसी महीने पूरा होने की संभावना है। मुंबई में मरीन ड्राइव से प्रियदर्शनी पार्क तक कुल २.०७ किमी लंबी सुरंग बनाई जा रही है, जो देश में सबसे पहली समुद्र के नीचे से जाने वाली सुरंग होगी। दोनों परियोजनाएं अपने-अपने मामले में विशेष हैं। कोलकाता में पानी के नीचे से गुजरने वाली पहली मेट्रो बनाई गई, तो मुंबई में समुद्र के नीचे से यातायात सुरंग बनाई जा रही है। नदी या समुद्र के नीचे बनी सुरंग में मेट्रो चलेगी। जब इस तरह की चर्चा लोग कुछ साल पहले करते थे, तब यह सुनकर लोगों को भी आश्चर्य होता था, लेकिन आज वो दिन आ गया है जब यह बात सच साबित हो रही है। इस सपने को कोलकाता मेट्रो ने सच कर दिखाया है। जी हां, हम बात भारत में पहली बार नदी के नीचे से बनी मेट्रो लाइन की कर रहे हैं, जिसे बनाकर देश के इंजीनियरों ने बड़ा चमत्कार किया है। वही चमत्कार मुंबई मनपा के इंजीनियर भी कर रहे हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे की संकल्पना और मनपा के माध्यम से प्रियदर्शिनी पार्क और वर्ली सी-लिंक के बीच १०.५८ किमी की एक कोस्टल रोड का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना से ३४ प्रतिशत ईंधन और ७० प्रतिशत समय की बचत होगी। ऐसा अनुमान है। लिहाजा, यह प्रोजेक्ट मुंबईकरों के लिए फायदेमंद होगा। यह १२,७२१ करोड़ रुपए की लागत से बनाई जा रही है।

11 इलेक्ट्रिक बसों के इंतजार में ठाणे एसटी परिमंडल...

ठाणे : एसटी महामंडल ने ठाणे परिमंडल में १२ इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करने की घोषणा की थी, लेकिन अब तक १२ में से केवल एक ही बस को शामिल किया गया है जबकि यात्री अभी तक शेष ११ इलेक्ट्रिक बसों के इंतजार में हैं। जिससे यात्रियों में नाराजगी का माहौल है। यात्रियों का कहना है कि एसटी की पुरानी बसों में यात्रा के दौरान अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें उम्मीद थी कि नई इलेक्ट्रिक बसों के आ जाने से उन्हें थोड़ी राहत मिलेगी।

बता दें कि अब तकनीकी रूप से एडवांस शानदार चकाचक वाहनों का जमाना आ गया है।

सरकारी ट्रांसपोर्ट में अत्याधुनिक वाहनों को शामिल किया जा रहा है ताकि यात्रियों को परेशानियों से राहत मिल सके। फिलहाल चल रहीं एसटी महामंडल की बसों को देखें तो इसमें सफर के दौरान यात्रियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी के चलते एसटी महामंडल ने अपनी बस सेवा को और भी बेहतर बनाने के लिए अपने बड़े में १२ इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करने का निर्णय लिया था। इन १२ बसों में से केवल एक बस को एसटी के बेड़े में शामिल किया गया है जबकि शेष ११ बसों को विभिन्न चरण में एसटी के बेड़े में शामिल किया जाएगा, ऐसी जानकारी एसटी महामंडल अधिकारियों ने दी है।

वर्तमान में केवल एक इलेक्ट्रिक बस शुरू की गई है जो कि पुणे रूट पर चलाई जा रही है। शेष बसों के शामिल होते ही स्वारगेट, पुणे, बोरीवली आदि मार्ग पर चलाई जाएंगी।

बेस्ट बसों में यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट, 2 लाख यात्री हुए कम, घटी बसें...

मुंबई : लगता है मुंबई में बेस्ट बसों से सफर करनेवाले बहुत से यात्रियों ने इन बसों से यात्रा करने पर विराम लगा दिया है। इस कारण मुंबई की लाइफ लाइन कही जानेवाली बेस्ट बसों में अब यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। पिछले महीने के आंकड़ों के अनुसार बेस्ट बसों में औसतन रोजाना यात्रियों की संख्या ३५ लाख से घटकर ३३ लाख हो गई है। इसके लिए ट्रांसपोर्ट विषय पर काम करनेवालों ने बेस्ट की नीतियों को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि बेस्ट ने अपने बेड़े का आकार ११ प्रतिशत घटाया है। पिछले कुछ समय से सड़कों पर बेस्ट बसों की संख्या

में लगातार कमी आ रही है। गत छह महीनों में कम-से-कम १५० पुरानी बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाया गया है। दूसरी तरफ नई इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति नहीं हो पाई है।

परिवहन कर्मचारी संगठन के एक पदाधिकारी ने बताया कि बेस्ट के पास १२ मीटर लंबी बसों की संख्या कम हो गई है। उनमें ४५-५० यात्री सवार होते थे। अधिकांश इलेक्ट्रिक एसी मिडी बसों की वहन क्षमता मात्र ३३ यात्री हैं। ऐसे में इन बसों में ज्यादा यात्री सफर नहीं कर पा रहे हैं। इसके अलावा यात्रियों को देरी से आनेवाली बसों के लिए लंबी कतारों में खड़े होकर इंतजार करना पड़ता है, जिससे कई यात्री दूसरा विकल्प तलाशते हैं।

एक जानकार के अनुसार लगभग २ हजार नए सिंगल डेकर और ९०० एसी इलेक्ट्रिक डबल- डेकर बसों की खरीद प्रक्रिया पर जोर देने की आवश्यकता है। बेस्ट में नई बसों की आपूर्ति करने में समय-सीमा का पालन नहीं करनेवाले ठेकेदारों के साथ सख्ती से निपटने की आवश्यकता है। दुर्घटनाओं और आग को रोकने के लिए डिपो पर रखरखाव सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

मुंबई के धारावी में पति ने पत्नी को जिंदा जलाया, फिर कर ली खुदकुशी

मुंबई : मुंबई के धारावी इलाके ने में पति ने पत्नी को आग लगा दी और फिर खुद आत्महत्या कर ली। ये घटना अशोक गली, नाइक नगर, धारावी की बताई जा रही है। इस हादसे में पति-पत्नी अनिल धूरिया व पिया धूरिया की मौत हो गई है। दोनों पति पत्नी धारावी में साथ रह रहे थे और बताया जा रहा है कि पति अनिल धूरिया शराब का आदी था। इसके चलते दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा भी होता था। बुधवार शाम करीब 6 बजे अनिल का शराब के नशे में झगड़ा हो गया और प्रिया से मारपीट करने लगा।

कहासुनी इस कदर बढ़ी कि अनिल ने नशे में प्रिया के शरीर पर मिट्टी का तोल उड़ेल दिया और आग लगा दी। इसके बाद उसने खुद पर मिट्टी की तेल डाल लिया और आग लगा ली। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए सायन के लोकमान्य तिलक अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुरुवार को इलाज के दौरान अनिल की मौत हो गई। पिया का गहन चिकित्सा कक्ष में इलाज चल रहा था। गुरुवार शाम को डॉक्टरों ने ऐलान किया कि इलाज के दौरान पिया की भी मौत हो गई है।

नवी मुंबई में जलापूर्ति में कटौती से 25 एमएलडी रोज हो रही है पानी की बचत

नवी मुंबई : मौसम विभाग द्वारा बताया गया है कि इस बार मानसून देरी से आएगा। मौसम विभाग के इसी अनुमान के चलते नवी मुंबई महानगरपालिका ने जलापूर्ति में कटौती करने का निर्णय लिया है। महानगरपालिका के जल विभाग के अनुसार, नवी मुंबई महानगरपालिका की मोरबे डैम में 37.94 प्रतिशत पानी शेष बचा है। इस बचे पानी से सिर्फ अगस्त महीने तक ही जलापूर्ति की जा सकती है। यदि मानसून आने में देर हो जाती है तो नवी मुंबई के नागरिकों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े इसके लिए पानी की कटौती शुरू की गयी है।

महानगरपालिका के जल विभाग का कहना है कि पिछले साल भी अनुमान से कम बरसात हुई थी, जिसकी वजह से मोरबे डैम पूरी तरह से भर नहीं पाया था और इस बार भी मौसम विभाग ने देर से मानसून आने के अनुमान लगाया है। जिसके चलते जलापूर्ति विभाग ने नोड के आधार पर सप्ताह में एक पानी कटौती की योजना बनाई हैं। अधिकारीयों का कहना है कि इससे प्रतिदिन 25 एमएलडी पानी की बचत प्रतिदिन हो रही हैं।

पेयजल संकट को कम करने की कवायद

गौरतलब है कि जिस तरीके से शहर की आबादी बढ़ रही है उसी तरह पेयजल की मांग भी बढ़ रही है, लेकिन जलापूर्ति का संसाधन पहले जैसे ही है। महानगरपालिका के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल नवी मुंबई महानगरपालिका के पास 95 दिन का पानी शेष बचा हुआ है। महानगरपालिका का कहना है कि लोगों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े इसके लिए नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी अनावश्यक तरीके से पानी की होने वाली बबार्दी को रोकना पड़ेगा। मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021-2022 में मोरबे डैम में 4 हजार 229 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गयी थी, लेकिन 2022-2023 में सिर्फ 3 हजार 572 मिलीमीटर बरसात हुई थी। इस डैम से प्रतिदिन 480 एमएलडी पानी की सप्लाई प्रतिदिन की जाती हैं। नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के अलावा इसी मोरबे डैम से कामोठे में जलापूर्ति की जाती है, इसके साथ ही मोरबे परिसर के आसपास के सात गांवों में इसी डैम से जलापूर्ति की जाती हैं।

एंटी नारकोटिक्स सेल ने चार ड्रग पेडलर्स किए गिरफ्तार, लाखों का मादक पदार्थ जब्त

मुंबई : एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने ड्रग्स तस्करों के खिलाफ मुंबई में विशेष अभियान चलाया हुआ है। गुरुवार को एएनसी ने पिछले 12 घंटों में मुंबई के तीन अलग-अलग क्षेत्रों से चार ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया है। मुंबई एएनसी की कांदिवली, वर्ली और आजाद मैदान इकाइयों ने एमडी ड्रग्स और ई-सिगरेट जब्त की।बरामद मादक पदार्थ की कीमत 25 लाख रुपये है। ट्रॉम्बे क्षेत्र में एक ई-सिगरेट रिफिलिंग केंद्र की जानकारी भी एएनसी की टीम को मिली थी। मौके पर छापेमारी की दौरान टीम ने पांच लाख रुपये मूल्य की ई-सिगरेट जब्त की।

विशेष अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त

एक विशेष अभियान के दौरान, एएनसी क्राइम ब्रांच मुंबई ने अब तक नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 850 ग्राम एमडी ड्रग्स, 1.230 किलोग्राम चरस, 92.4 ग्राम हेरोइन, 280 ग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (कीमत 2.6 करोड़ रुपये) जब्त की है।

कोस्टल रोड के समुद्री किनारे पर टहलने के लिए ट्रैक

मुंबई : मनपा की महत्वाकांक्षी कोस्टल रोड परियोजना का काम अब धीरे-धीरे आकार ले रहा है। दक्षिण मुंबई में ट्रैफिक जाम की समस्या को मिटाने और मुंबईकरों की यात्रा को सुविधाजनक बनानेवाली इस परियोजना का सबसे अधिक फायदा पर्यटकों को मिलेगा। इससे टूरिज्म बढने में मदद होगी। मनपा के अनुसार, महालक्ष्मी मंदिर से लेकर वर्ली तक बननेवाली कोस्टल रोड के समुद्री किनारे पर टहलने के लिए ट्रैक बनाया जाएगा। यहां लोग जमकर

सैर कर सकेंगे। यहां खेल के मैदान, गार्डन, लाइब्रेरी, ओपन थिएटर्स, शौचालय, गेम के लिए जगह, अंडरग्राउंड बड़ी पार्विंष्ठग आदि की सुविधाओं के साथ रेस्टॉरेंट आदि की भी सुविधा होगी, जो पर्यटकों को खूब आकर्षित करेगी।

बता दें कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे की संकल्पना और मनपा के माध्यम से प्रियदर्शिनी पार्क और वर्ली सी-लिंक के बीच १०.५८ किमी की एक कोस्टल रोड का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना से जहां ट्रैफिक की समस्या कम होगी, वहीं ईंधन की बचत होगी। वाहन चालकों का ३४ प्रतिशत ईंधन और ७० प्रतिशत समय की बचत होगी, ऐसा अनुमान है। लिहाजा, यह प्रोजेक्ट मुंबईकरों के लिए फायदेमंद होगा।

कोस्टल रोड परियोजना के मुख्य इंजीनियर एम. स्वामी ने कहा कि रिक्त भूखंड पर सुंदरीकरण और अन्य सुविधाएं बनाने का काम जल्द शुरू होगा। समुद्र किनारे बैठने की जगह के साथ ६० फुट चौड़ा पैदल मार्ग, जैसा अब मरीन ड्राइव में बना है। इसके लिए लगभग ७ किमी सी फेस मिलेगा।

सिंगल पैरेंट्स और वैकेशनिंग

छुट्टियां में एकल अभिभावक कई बार बहुत परेशान होते हैं। यह वह सीजन होता है जब बच्चे मौज-मस्ती के लिए अपने अभिभावक पर जोर डालते हैं, क्योंकि छुट्टियों का मजा वे अपने ही ढंग से लेना चाहते हैं, जबकि सिंगल पेरेंट की परेशानी यह है कि अकेले उन्हें कैसे संभालें। कहीं जाने की तैयारी कैसे करें। वैसे आजकल कुछ ट्रेवल एजेंसियां सिंगल पेरेंट्स के इस प्रॉब्लम को समझते हुए कुछ बेहतर विकल्प पेश कर रही हैं।

अगर आप सिंगल पैरेंट्स हैं तो कुछ बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

लाइफस्टाइल एक्सपर्ट की मानें तो अकेली मां को बच्चों के साथ यात्रा करने से पहले तीन प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान देना चाहिए।

- अपने मन से यह बात पूरी तरह निकाल दें कि आप एकल हैं। आपका पूरा फोकस केवल इस बात पर रहना चाहिए कि बच्चों को कैसे खुश रखा जा सकता है। उन्हें असहाय या अकेले होने का एहसास बिलकुल न होने दें।
- आप चाहें तो अपने जैसे अन्य सिंगल पेरेंट्स के साथ छुट्टी बिताने पर विचार कर सकती हैं। भाई-बहन, रिश्तेदारों या दोस्तों के साथ भी छुट्टियां बिता सकते हैं। समूह में जाने का फायदा यह होगा कि बच्चे यात्रा का पूरा लुत्फ उठाएंगे और उनकी सुरक्षा के लिए आपको अधिक चिंता करने की भी जरूरत नहीं है। साथ में आपके बच्चों को कुछ अच्छे दोस्त भी मिल सकते हैं।
- यदि आपको अकेले यात्रा करनी पड़े तो पहले से इसकी योजनाबद्ध तैयारी करें। ऐसी ट्रेवल एजेंसियों से संपर्क करें, जो खासतौर पर सिंगल पेरेंट्स के लिए पैकेज उपलब्ध कराती हों। अपने देश में भी इस तरह की कई एजेंसियां हैं, जो ऐसी डील करती हैं।

इन बातों को न करें नजरअंदाज

- यदि आप बच्चों के साथ अकेले जा रही हों तो किसी ऐसी जगह पर न जाएं जो अनजान या सुनसान हो। आप ऐसी जगह जाएं, जिसके बारे में आपको पूरी जानकारी हो। ऐसे होटल या रिसॉर्ट में ठहरें, जहां अन्य परिवार भी ठहरे हों। बेहतर हो कि अपनी ट्रेवल कंपनी से इस बारे में पहले से पूछताछ करके जानकारी इकट्ठा कर लें।
- अगर विदेश यात्रा पर जा रही हैं तो पहले अपने व बच्चों के पासपोर्ट अपडेट करा लें। अगर से परेशन या तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है और बच्चा आपकी कस्टडी में है तो उसे देश के बाहर ले जाने से पहले जरूरी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर लें, ताकि भविष्य में कोई परेशानी न हो।
- ट्रिप पर बच्चे की हाल का फोटो अवश्य रखें। इसके अलावा उसके पास एक नाम-पता लिखा कार्ड भी रखें। जिससे कहीं भी भटकने पर उसे परेशानी न हो।
- आपको या बच्चे को अगर कोई स्वास्थ्य समस्या है तो जरूरी दवाएं या चिकित्सक की पर्ची साथ में अवश्य रखें।
- यात्रा में उतना ही सामान साथ रखें, जिससे असुविधा न हो। बेहतर हो कि बैगपैक या ट्रालीज इस्तेमाल करें, ताकि जरूरत पड़ने पर बच्चों को भी उन्हें उठाने में सुविधा हो।
- ट्रिप के दौरान शॉपिंग सोच-समझकर करें। आमतौर पर पर्यटन स्थलों में वस्तुएं बहुत अधिक महंगी मिलती हैं। आप अपने बजट के हिसाब से खर्च करें। इस संबंध में बच्चों को भी पहले से समझाकर रखें।

बजट पर भी विचार करें

इन बिंदुओं के अलावा एक बड़ा पहलू है-बजट। ट्रेवल कंपनियों की ज्यादातर पैकेज डील दो वयस्कों-दो बच्चों वाली होती हैं। कोई भी ऐसा पैकेज नहीं लेना चाहेगा, जिसमें वयस्क के खर्च पर बच्चे को ले जाना पड़े। ऐसे में बेहतर होगा कि पैकेज डील के बजाय इकोनॉमी रेंज में जाएं।

बढ़ते बचपन के साथ साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या-क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढ़ती रहती। यह उसने अंततः सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी-कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ।

दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ-दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं- बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना-माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार-पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच-छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होंमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे-धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

पैसे कमाने के चक्कर में उड़ गए एक करोड़

सायबर अपराध शाखा ने दर्ज किया एफआईआर

मुंबई : इंटरनेट से जिंदगी जितना आसान हुई है, उतना ही उसके दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। यूट्यूब पर वीडियो लाइक करने के चक्कर में एक युवक के अकाउंट से एक करोड़ तीन लाख रुपये गायब होने का मामला सामने आया है। मामले में वेस्ट सायबर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फोन कहाँ से आया और किसने किया इसकी जांच सायबर पुलिस कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आरोपी ने फोन कर शिकायतकर्ता को एक दिन में पांच से साथ हजार रुपये कमाने का झांसा दिया। 47 वर्षीय शिकायतकर्ता एक मकरकेटिंग कंपनी में काम करते हैं। आरोपी ने शिकायतकर्ता को बताया था कि यूट्यूब पर वीडियो देखने और उसे लाइक करने का पैसा कंपनी देती है। जिसके रजिस्ट्रेशन के नाम पर धीरे धीरे 25 अलग अलग अकाउंट में पैसे मंगवा लिया। डीसीपी बालसिंह राजपूत ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई है। जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता को वाट्सअप पर एक मैसेज आया कि वे पार्ट टाइम जॉब करना चाहते हैं तो इडका उनके पास अच्छा ऑफर है। शिकायतकर्ता को कहा गया कि उन्हें कुछ वीडियो भेजा जायेगा, जिसे देखकर लाइक करना है और स्क्रीन शॉट भेजना है। जिसके उन्हें 5 से 7 हजार रुपये प्रतिदिन मिलेंगे।

रजिस्ट्रेशन के लिए मांगी गई रकम

शिकायतकर्ता को जब आरोपी ने अज्ञात नंबर से वाट्सअप किया तब पैसे कमाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 5 हजार रुपये मांगे गए। पैसे भेजने के बाद शिजयतकर्ता को यूट्यूब की लिंक भेजी गई। जिसे बताए गए प्रक्रिया के मुताबिक 10 हजार रुपये भी शिकायकर्ता के अकाउंट में भेजा गया। इसके बाद एक टेलीग्राम चैनल जॉइन करने के लिए कहा गया। जिसके नाम पर भी पैसे मांगे गए। एक एक कर पैसों की मांग जारी रही। पैसे दिए जा रहे थे लेकिन मुनाफा नहीं हो रहा था।

पनवेल के बाद महारेरा अब पुणे की संपत्ति की करेगी नीलामी

10 मई को होगी नीलामी

मुंबई : ग्राहकों को समय पर घर न देने के मामले में महारेरा ने पनवेल के बाद अब पुणे में बिल्डर की संपत्ति नीलाम करने का निर्णय लिया है।महारेरा ने 10 मई को संपत्ति की नीलामी करेगी। बता दे कि पुणे के माड्यूलर कस्ट्रकशन कंपनी द्वारा ग्राहकों को समय पर घर न देने पर महारेरा ने बिल्डर पर 50 लाख का दंड लगाया है।बिल्डर द्वारा पैसा नही दिए जाने पर महारेरा ने बिल्डर की विष्णु अपार्टमेंट नामक इमारत में फ्लैट जब्त कर लिया है।बिल्डर द्वारा समय पर महारेरा के पास पैसा नही जमा करने पर बिल्डर के फ्लैट नीलाम करने का निर्णय लिया है।बिल्डर की संपत्ति को 10 मई तक नीलाम करने की जानकारी दी है। महारेरा ने जानकारी दी है कि बिल्डर की विष्णु प्रसाद अप्रार्टमेंट में 83,28 वर्ग मीटर के फ्लैट को अपने कब्जे में ले लिया है । महारेरा 10 मई को इस फ्लैट की नीलामी करने का निर्णय लिया है।जिसकी कीमत 1 करोड़ 63 लाख 45 हजार रुपए आंकी है। महरेरा ने कहा है कि बिल्डर द्वारा 5 मई तक ग्राहको का पैसा नही देने पर महारेरा जब्त की गई संपत्ति को नीलाम कर देगी। महारेरा ने पुणे में विभिन्न शिकायतो पर 227 वारंट निकाला था इस वारंट की रकम 170 ,37 करोड़ रुपया है जो कि बिल्डरों ने वारंट निकालने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इन 227 वारेंट्स में 39 मामले से महरेरा ने 39,92 करोड़ की वसूली भी कर दी है।महारेरा 10 मई को करने वाली नीलामी में बिल्डर के जमीन की कीमत लगभग 1 करोड़ 63 लाख 45 हजार है।बिल्डर द्वारा लोगो का बकाया लौटाने में लापरवाही बरतने पर महारेरा ने बिल्डर की 83 ,28 मीटर की संपत्ति की नीलामी करने का निर्णय लिया है। महारेरा को नीलामी से होने वाली कमाई से 49 लाख 8 हजार 376 रुपए लोगो का बकाया लौटा कर बची हुई रकम को बिल्डर को वापस लौटा देगी।

ठाणे की एक इमारत में लिफ्ट के डक्टल्ल में गिरने से गई 13 वर्षीय लड़के की जान

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक इमारत की लिफ्ट के संचालन के लिए बने डक्ट में गिरने से 13 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार रात को उस वक्त हुई जब नाबालिग कल्याण कस्बे के खडकपाड़ा इलाके में धुले हुए कपड़े पहुंचाने गया था। खडकपाड़ा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि लड़का इमारत से नीचे आने के लिए लिफ्ट में दाखिल हुआ, लेकिन यह 5वीं और छठी मंजिल के बीच फंस गई। उन्होंने बताया कि लड़का संभवतः घबरा गया और उसने दरवाजा खोला जिसके बाद वह डक्ट में गिर गया। अधिकारी ने बताया कि जब लड़का घर नहीं लौटा तो उसके परिजनों ने तलाश शुरू की। परिजन रात करीब साढ़े दस बजे इमारत में ढूंढने पहुंचे और वहां उसे डक्ट में पड़ा पाया। उन्होंने बताया कि लड़के को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

केंद्र का महाराष्ट्र से मुंबई को तोड़ने की साजिश- ठाकरे

मुंबई : बारसू में गरीब ग्रामवासियों पर अत्याचार कर जबरदस्ती परियोजना लगानेवाली मिंधे सरकार एवं भाजपा पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने आज जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि बारसू में गरीब ग्रामीणों पर अत्याचार करके परियोजना को जबरन थोपने की कोशिश की जा रही है। भूमाफियाओं द्वारा बारसू की भूमि पर कब्जा किए जाने की साजिश हो रही है। उन्होंने मिंधे सरकार को फटकारते हुए कहा कि क्या मेरे भूमिपुत्रों को हल्का समझ रहे हो? पहले लोगों का भ्रम दूर करो वरना परियोजना पर रोक लगाओ। उद्धव ठाकरे ने सरकार को जमकर कोसते हुए कहा कि भूमिपुत्रों के सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए। 'मातोश्री'में आयोजित पत्रकार परिषद में वे बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महाविकास आघाड़ी को शिवसेना नहीं तोड़ेगी। शिवसेना महाविकास आघाड़ी में मजबूती से रहेगी। उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कोई कुछ भी कहे लेकिन केंद्र सरकार मुंबई को महाराष्ट्र से तोड़ने की साजिश कर रही है। लेकिन शिवसेना के रहते यह संभव नहीं है।

यहां बिहार विधान परिषद अध्यक्ष देवेशचंद्र ठाकुर ने कल उद्धव ठाकरे से 'मातोश्री' आवास पर मुलाकात की। इस मौके पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के नेता व सांसद संजय राऊत, विधायक आदित्य ठाकरे, शिक्षक भारती के विधायक कपिल पाटील मौजूद थे। संजय राऊत ने बताया कि इस बैठक में गैर राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। उसके बाद उद्धव ठाकरे ने पत्रकारों से बातचीत की और बारसू समेत विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का उन्होंने विस्तृत जवाब दिया।उद्धव ठाकरे ने कहा कि वे ६ मई को बारसू जाएंगे और अपने भूमिपुत्रों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जानेंगे। उन्होंने कहा कि वहां मिंधे के दुस्साहस को देखने नहीं जा रहा हूं, बल्कि वहां के भूमिपुत्रों से मिलने जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि नाणार परियोजना रद्द कर दी गई। दिल्ली से फोन आया कि नाणार परियोजना अच्छी है। जाने न दें, लेकिन अब महाराष्ट्र में आनेवाली अच्छी परियोजनाओं को गुजरात में भेजा जा रहा है। आखिर महाराष्ट्र को राख और गुजरात को रंगोली क्यों दी जा रही है। महाराष्ट्र की सभी अच्छी परियोजनाएं गुजरात भेजी जा रही हैं।

उद्धव ठाकरे ने केंद्र में मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उस समय बारसू में परियोजना लगाने के लिए मुझ पर दबाव नहीं था, बल्कि जोर दिया गया था। मैंने कहा था कि अगर प्रोजेक्ट अच्छा है, वहां के लोग मान जाएं तो वहां हो सकता है। लोगों की सहमति से ही वहां परियोजना संभव होगी।

वज्रमूठ सभाएं रद्द नहीं: पटोले

मुंबई : एनसीपी में जारी उठापठक के बाद आशंका जताई जा रही थी कि महाविकास आघाड़ी की वज्रमूठ सभाओं का सिलसिला थम जाएगा, लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने स्पष्ट किया कि वज्रमूठ सभाओं को रद्द नहीं किया गया है। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए पटोले ने कहा कि राज्य में महाविकास आघाड़ी की वज्र मूठ सभाओं को जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। छत्रपति संभाजी नगर, नागपुर और मुंबई में तीन सफल वज्रमूठ सभाएं हो चुकी हैं। आगे की सभा पुणे, नासिक, कोल्हापुर और अमरावती में आयोजित की जाएंगी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। वहीं कई इलाकों में गर्मी का भी प्रकोप है, इसलिए इन सभाओं के कार्यक्रम में बदलाव पर विचार किया जा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने साफ किया कि वज्रमूठ सभाओं को रद्द नहीं किया गया है। पटोले ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एनसीपी नेताओं के साथ चर्चा की गई है और इन बैठकों को जल्द ही पुनर्निर्धारित किया जाएगा। पटोले ने कहा कि राज्य की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल रमेश बैस से मिलकर विधानमंडल का दो दिनों का विशेष सत्र बुलाने की अपील की है। हमें उम्मीद है कि राज्यपाल राज्य के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस पर सहानुभूति पूर्वक विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर विशेष सत्र नहीं बुलाया गया तो हमारी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जनता के मुद्दों को लेकर पूरे राज्य में जोरदार आंदोलन करेंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की सरकार लगातार मुंबई और महाराष्ट्र के महत्व को कम करने की कोशिश कर रही है। मुंबई में बीकेसी स्थित अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र को गांधीनगर में स्थानांतरित कर दिया गया है। पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क कार्यालय दिल्ली में शिफ्ट किया गया है, जबकि राष्ट्रीय समुद्री पुलिस अकादमी पालघर से गुजरात के द्वारका में स्थानांतरित की गई है।

10 मई से आरंभ होगा मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान का द्वितीय चरण: मुख्यमंत्री

जन-सामान्य से संबंधित 67 सेवाओं के लंबित आवेदनों और सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों का होगा निराकरण

भोपाल। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सम्पूर्ण प्रदेश में 10 से 25 मई तक मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान का द्वितीय चरण संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 10 मई को अलीराजपुर से होगा। हमारा उद्देश्य है कि जन-सामान्य की कोई समस्या शेष न रहे और सीएम हेल्प लाइन में दर्ज सभी शिकायतों का निराकरण किया जाये। मंत्री, जन-प्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी सेवा-भाव से अभियान में अपना योगदान दें, लोगों की समस्याओं का समाधान करें और प्रदेशवासियों को रामराज्य का एहसास हो, तो ही हम सबको अपने दायित्वों के शत-प्रतिशत निर्वहन का संतोष होगा। मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय में अभियान के द्वितीय चरण संबंधी बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मंत्रीगण, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और विभागीय अधिकारी बैठक में शामिल हुए। सभी संभागों के कमिश्नर एवं आईजी, जिलों से कलेक्टर, एसपी, सीईओ जिला पंचायत और कमिश्नर नगर निगम बैठक में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि अभियान के 2 घटक होंगे। पहले घटक में जन- सामान्य से संबंधित 67 सेवा के निराकरण के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसमें अविवादित नामांतरण, बँटवारा,

स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र, भवन अनुज्ञा, ड्राइविंग लायसेंस, वाहन पंजीयन जैसी सेवाएँ सम्मिलित हैं। यह सेवाएँ राजस्व, सामान्य प्रशासन, नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, ऊर्जा, श्रम, आदिम जाति कल्याण, उच्च शिक्षा, कृषि विपणन बोर्ड, सहकारिता, तकनीकी शिक्षा- कौशल विकास और रोजगार, उद्यानिकी तथा परिवहन विभाग से संबंधित हैं। द्वितीय घटक में सीएम हेल्प लाइन में 15 अप्रैल तक दर्ज किंतु अब तक लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा।

मैदानी कार्यालयों में लगेंगे शिविर

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि 67 नागरिक सेवाएँ प्रदान करने वाले मैदानी कार्यालयों में शिविर लगाए जाएंगे। इन सेवाओं से संबंधित ऑन लाइन या ऑफ लाइन लंबित आवेदनों के निराकरण की जानकारी प्रतिदिन पोर्टल पर दर्ज की जाये।

सीएम हेल्प लाइन पोर्टल पर बनेगा प्रत्येक जिले का पृथक पेज

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के द्वितीय घटक में सीएम हेल्प लाइन में लंबित शिकायतों का शत – प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए सीएम हेल्प लाइन पोर्टल पर प्रत्येक जिले का पृथक से पेज बनाया जाएगा, जिस पर 15 अप्रैल तक दर्ज शिकायतों को पंचायत/ नगर निकाय वार प्रदर्शित किया जाएगा। कलेक्टर शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक समन्वय करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित शिकायतकर्ता को निराकरण की सूचना अनिवार्यत: दी जाए।

प्रभारी मंत्रीगण करेंगे अभियान की नियमित समीक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला कलेक्टर, प्रभारी मंत्री से चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए जिले की रूप-रेखा तैयार करें। जिले के प्रभारी मंत्री भी अपने स्तर पर अभियान के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें।

छत्तीसगढ़ में सड़क हादसा, 11 लोगों की मौत

सभी एक ही परिवार के, शादी में जा रहे थे, मृतक के परिजनों को 4-4 लाख मुआवजे का ऐलान

बालोद/धमतरी/कांकेर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बुधवार रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई है। सभी शादी समारोह में बोलेरो से जा रहे थे। रास्ते में ट्रक ने गाड़ी को टक्कर मार दी। इसके चलते मौके पर ही सभी की मौत हो गई। एक घायल डेढ़ साल की बच्ची ने रायपुर ले जाते वक्त दम तोड़ा है। सीएम बघेल ने मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया है। जानकारी के मुताबिक, धमतरी जिले के सोरेम गांव का साहू परिवार कांकेर जा रहा था। बुधवार रात को करीब 9.30 बजे इनकी गाड़ी नेशनल हाईवे-30 पर बालोद के जगतरा पहुंची। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक ने बोलेरो को टक्कर मार दी। मौके पर ही एक बच्चे, 5 महिला और 4 पुरुषों की मौत हो गई। फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है। घटना के बाद हाईवे से गुजर रहे लोगों की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फिर सभी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। साथ ही घायल बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया था। जहां से उसकी हालत को देखते हुए उसे रायपुर रेफर कर दिया गया था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

मणिपुर में दंगाइयों गोली मारने के आदेश

आदिवासियों के प्रदर्शन में कल हिंसा भड़की थी, 8 जिलों में सेना तैनात

इंफाल। मणिपुर में सरकार ने हिंसा करने वाले दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए हैं। हिंसाग्रस्त इलाकों में धारा 144 लागू है। राज्य में अगले 5 दिनों के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। दरअसल, बुधवार को आदिवासियों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई। इसके बाद 8 जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया। आर्मी और असम राइफल्स की 55 टुकड़ियों को तैनात किया गया। 9000 लोगों को राहत कैंपों में शिफ्ट किया गया।

गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से फोन पर बात कर हालात की जानकारी ली। बीरेन सिंह ने आज सुबह एक वीडियो मैसेज जारी कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। वहीं, केंद्र ने पूर्वोत्तर राज्य के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में तैनाती के लिए ऋ्र की टीमों को भी भेजा है। सूत्रों के मुताबिक ऋ्र की पांच कंपनियों को इंफाल एयरलिफ्ट किया गया है, जबकि अन्य 15 जनरल ड्यूटी कंपनियों को राज्य में तैनाती के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

आदिवासी और गैर आदिवासी समुदाय भिड़े

ऑल इंडिया ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन ने बुधवार को ट्राइबल सॉलिडेटरी मार्च बुलाया था। इसी दौरान आदिवासी और गैर-आदिवासी समुदायों में झड़प हो गई। आदिवासी समुदाय उस मांग का विरोध कर रहा था, जिसमें डिमांड की जा रही है कि गैर-आदिवासी मैतेई समुदाय को शेड्यूल ट्राइब (स्ज्ञ) का दर्जा दिया जाए। मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मैतेई समुदाय की डिमांड पर विचार करे और 4

महीने के भीतर केंद्र को रिकमेंडेशन भेजे। इसी आदेश के बाद आदिवासी और गैर-आदिवासियों के बीच हिंसा शुरू हो गई।

हिंसा रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

पुलिस ने बताया कि आदिवासियों के मार्च में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। इसी दौरान आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच हिंसा भड़क उठी। हालात को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने कई राउंड आंसू गैस के गोले भी दागे, लेकिन हिंसा नहीं रुकी। इसके बाद सेना और असम राइफल्स को बुलाया गया। राज्य के इम्फाल पश्चिम, कैकचिंग थोऊबल, जिरिबाम, बिश्नुपुर, चूड़ाचंदपुर, कांगपोकपी और तेनग्नोउपाल में कर्फ्यू लागू किया गया है।

मैरीकॉम बोलीं- मेरा राज्य जल रहा है

महिला बॉक्सिंग में भारत के लिए ओलिंपिक का ब्रॉन्ज जीतने वाली मैरीकॉम ने हिंसा की कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर कीं। हालांकि, उन्होंने यह जिक्र नहीं किया कि ये तस्वीरें कब की और कहां की हैं। उन्होंने लिखा- मेरा राज्य जल रहा है। मैरीकॉम ने कहा कि हालात बहुत खराब हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंसा में कुछ लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया।

मणिपुर में 53 प्रतिशत से ज्यादा मैतेई, 10 साल से ST स्टेटस की डिमांड

मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कहा कि हिंसा की वजह दो समुदायों के बीच गलतफहमियां हैं। लंबे समय से चली आ रही शिकायतों को सही तरीके से लोगों की सलाह के जरिए हल कर लिया जाएगा। शांति बनाए रखें। बता दें कि मैतेई एक गैर-आदिवासी समुदाय है। यह मणिपुर की आबादी का 53 प्रतिशत हिस्सा है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 06 मई 2023

'सोने की कोशिश करो तो पेट में होती है डांस पार्टी' इलियाना डिक्रूज ने शेयर किया प्रेग्नेंसी का दर्द

इलियाना डिक्रूज अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान करने के बाद से सुर्खियों में हैं. तब से वो लगातार अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी के बारे में अपडेट्स शेयर कर रही हैं. फिलहाल उन्होंने अपनी लेटेस्ट पोस्ट में अच्छी नींद लेने में आ रही अपनी चुनौतियों का खुलासा किया है. इस पोस्ट में इलियाना बेड पर लेटी नजर आ रही हैं.

इलियाना डिक्रूज नहीं ले पा रही हैं चैन की नींद

कुछ दिनों पहले ही इलियाना डिक्रूज ने अपनी पहली प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था. हालांकि अभी तक उन्होंने ये नहीं बताया है कि उनके होने वाले बच्चे का पिता कौन है. फैंस अब भी लगातार होने वाले बच्चे के पिता के बारे में जानने को बेताब हैं, लेकिन इलियाना ने किसी की बात का कोई जवाब नहीं दिया है. खैर एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट पोस्ट में बताया है कि उनका बेबी किक कर रहा है.

इलियाना डिक्रूज की लेटेस्ट पोस्ट

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक्ट्रेस ने फोटो शेयर की है, जिसमें वो बिस्तर पर लेटे हुए सोने की कोशिश करती नजर आ रही हैं. उनके चेहरे का नूर उनकी प्रेग्नेंसी की खुशी को बयां कर रहा है. इस फोटो के साथ उन्होंने अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए लिखा, ह्यजब आप नींद लेना चाहते हैं, लेकिन बेबी आपके पेट में डांस पार्टी करने का फैसला करता है.' इलियाना ने अपने पेट में बेबी किक के अनुभव को शेयर किया.

इलियाना ने हाल ही में अपने बेबी बंप की पहली फोटो शेयर की थी जिसमें वो अपनी पालतू बिल्ली के साथ बिस्तर पर कॉफी पीती नजर आई थीं. फोटो के साथ उन्होंने लिखा था, ह्यजीवन हाल ही में.' आपको बता दें, 8 अप्रैल, 2023 को इलियाना ने अपने प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी. उन्होंने इंस्टा पर दो क्यूट तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिसमें पहली फोटो में उन्होंने बच्चे के कपड़े के साथ लिखा था, ह्यऔर इसलिए एडवेंचर शुरू होता है.'

चेहरे पर कालिख लगा 'टीपू' का मोशन पोस्टर जारी, संदीप सिंह का दावा- न कहा जाए सुल्तान

टीपू सुल्तान के जीवन पर आधारित फिल्म टीपू का मोशन पोस्टर जारी किया गया है। इस फिल्म को इरोज इंटरनेशनल प्रोड्यूस कर रही है। वहीं, संदीप सिंह और रश्मि शर्मा भी एक साथ आए हैं। टीपू फिल्म हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम में रिलीज होगी। फिल्म का मोशन पोस्टर तरण आदर्श ने ट्विटर पर जारी किया है। उन्होंने मोशन पोस्टर के अलावा फिल्म के पोस्टर भी शेयर किया है। इसमें टीपू सुल्तान को देखा जा सकता है। इसके अलावा उसके चेहरे पर लगी कालिख भी नजर आ रही है।

मोशन पोस्टर में इस बात की जानकारी दी जा रही है कि 8000 मंदिर तोड़े गए, 27 गिरिजाघर नष्ट किये गए। 40 लाख हिंदुओं को जबरन धर्मांतरण कर बीफ खाने को मजबूर किया गया। 1 लाख हिंदुओं को जेल में डाला गया। 2000 ब्राह्मण परिवारों को कालीकट में खत्म कर दिया गया। टीपू सुल्तान का जिहाद 1783 से शुरू हुआ। यह कहानी एक पागल सुल्तान की है। वहीं, पृष्ठभूमि में कई मंदिर और गिरजाघरों को जलते हुए देखा जा सकता है। तरण आदर्श के ट्वीट को 3 लाख 56 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। वहीं, इस पर उन्नीस सौ के करीब कमेंट किए गए हैं। वहीं, कई लोगों ने इसपर प्रतिक्रिया भी दी है।

गले में मंगलसूत्र! क्या 'फैमिली मैन 2' की एक्ट्रेस नागा से ब्रेकअप के बाद करेंगी दूसरी शादी?

सामंथा और नागा चैतन्य की जोड़ी साउथ इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय स्टार जोड़ी में से एक थीं. सामंथा-नागा अब अतीत है. वे अब केवल सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य हैं. दोनों शादी के पांच साल बाद अलग हो गए हैं. दोनों ने अपने रिश्तें को लेकर एक लंबा सफर तय कर लिया है. सूत्रों के मुताबिक समांथा से 11 महीने अलग रहने के बाद नागा और अभिनेत्री शोविता धूलिपाला एक नए रिश्ते में हैं. लेकिन सामंथा के साथ अभी तक किसी का नाम नहीं जोड़ा गया है.

गले में दिखा मंगलसूत्र

इसी दौरान सामंथा के गले में अचानक मंगलसूत्र दिखा, ऐसा विवाहित स्त्रियों के गले में देखा जाता है. सामंथा के गले में मंगलसूत्र देखने के बाद लोगों के मन में आया कि हीरोइन ने शादी कर ली? जिसको लेकर चारों ओर चर्चा शुरू हो गई है. लेकिन वह वायरल हो रही तस्वीर असल में असली नहीं, बल्कि पर्दे के लिए है. वह अगली बार विजय देवरकोंडा के साथ ह्यकुशी' में दिखाई देंगी. उस फिल्म के किरदार के गले में मंगलसूत्र. एक हफ्ते पहले उस फिल्म के मेकर्स ने समांथा के बर्थडे पर ये तस्वीर पोस्ट की थी. जिसे देख नेटिजन्मस के बीच सभी सवाल उठने लगे.

शाकुंतलम में नजर आई थी एक्ट्रेस

सामंथा रूथ प्रभु हाल ही में शाकुंतलम में नजर आई थी. इस फिल्म को दर्शकों का उतना प्यार नहीं मिला. हालांकि, अब यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने वाली है. जिसकी तारीखों का ऐलान हो गया है. गुनशेखर द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म शाकुंतलम को अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है. फिल्म की ओटोटी रिलीज डेट आउट हो चुकी है. ओटीटी स्ट्रीम अपडेट्स ने ट्वीट कर बताया है कि ये फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 12 मई को तेलुगु, तमिल, मलयालम, हिंदी और कन्नड़ में स्ट्रीम होगी. हालांकि अभी तक प्राइम वीडियो ने इसे लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com